

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV): (a) and (b). In May 1978, the Bureau of Industrial Costs and Prices was asked to conduct a study on the impact of increase in the prices of raw materials and other inputs on the cost and prices of tyres and tubes charged by various tyre manufacturing companies. According to the Report submitted by the BICP the weighted average prices paid for seven major raw materials such as natural rubber, synthetic rubber, carbon black, cotton fabric, rayon fabric, nylon fabric and beadwire by the tyre companies in 1977 and in March 1978 were taken into consideration. The findings of the BICP were that the increase in the net dealer prices effected by the companies in the last week of March, 1978 substantially exceeded the increase in the prices of major raw materials in respect of rayon truck tyres, nylon truck tyres and tubes but in passenger tyres and jeep tyres the price increase more or less accorded with the rise in the prices of major raw materials. The Report also mentioned that the contention of the tyre manufacturers was that the increase in tyre prices towards the last week of March, 1978 was based not on the increase in raw material costs alone but also on conversion cost items like fuel, coal, electricity, salaries and wages and also losses on exports. These companies also pointed out that the profitability on tyres and tubes had been on the decline for some time and in 1977 some of them suffered a loss. The BICP study also revealed that the profitability of most of the companies declined in 1977 as against the previous years and some companies incurred a loss in 1977.

(c) There is no such proposal.

राजभाषा विभाग में सरकारी निधि का कथित दुरुपयोग

10228. श्री भवन तिवारी : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 15 मई, 1978 को कुछ संसद् सदस्यों की ओर से प्रधान मंत्री को एक ज्ञापन दिया गया था जिसमें राजभाषा विभाग में प्रष्टाचार, भाई भतीजावाद, भातिभाव, करिश्मीयता तथा सरकारी निधि के दुरुपयोग के बारे में शिकायतों की गई थीं ;

(ख) यदि हाँ, तो ज्ञापन में उल्लिखित बातें क्या हैं ; और

(ग) इस संबंध में क्या कार्यवाही की जा रही है ?

गृह मंत्रालय तथा निधि, ग्वाय और कम्पनी-कार्पे मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस 0 डी 0 पाटिल) : (क) और (ख). जी हाँ, श्रीमान् । 15 मई, 1978 को कुछ संसद् सदस्यों की ओर से प्रधान मंत्री को एक ज्ञापन दिया गया था, जिसमें राजभाषा विभाग के कुछ उत्कामीय अधिकारियों के विरुद्ध प्रष्टाचार, पक्षपात आदि के आरोप लगाए गए थे ।

(ग) ज्ञापन में लगाए गए आरोपों के संबंध में तथ्य ज्ञात किये जा रहे हैं ।

सरकारी क्षेत्र के बड़े और छोटे एककों की विकास दर का अनुपात

10229. श्री राम बिलास पासवान : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उन के द्वारा संसद् में पेश किये गये औद्योगिक विकास दर के धाकड़े बड़े उद्योगों पर आधारित हैं ;

(ख) विभिन्न प्रकार के बड़े, छोटे और सरकारी क्षेत्र के उद्योगों के उत्पादन का कुल औद्योगिक उत्पादन के प्रति क्या अनुपात है ; और

(ग) उन में बड़े उद्योग गृहों की कम्पनियों की संख्या किसती है और कम्पनियों की कुल संख्या के प्रति उन का क्या अनुपात है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) उद्योग मंत्री द्वारा संसद् में प्रस्तुत किये गये औद्योगिक विकास दर के धाकड़े औद्योगिक उत्पादन के सरकारी सूचकांक पर आधारित हैं जो सांख्यिकीय विभाग में केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा संकलित किये जाते हैं । औद्योगिक उत्पादन में प्रति मास होने वाले परिवर्तन का पता लगाने के लिये उपलब्ध यही एक मात्र सरकारी सूचकांक है । केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा संकलित किये गये औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में 352 उद्योगों के बारे में औद्योगिक धाकड़े शामिल होते हैं । जिन में से अधिकांश ने निम्नित भाग में कम से कम 25 लाख ६० के मूल्य का योगदान किया है या 1 करोड़ रुपये का उत्पादन किया है इन सूचकांक में कोयला, इस्पात, बिजली, अन्य खनिज, काष्ठ परिष्करण, धात्विक तथा गैर-धात्विक मशीनरी, परिवहन उपस्कर आदि जैसे क्षेत्रों का उत्पादन शामिल है । सूचकांक में लगभग 60 प्रतिशत भाग उन क्षेत्रों से संबंधित है (जिन में इस्पात, खनिज, बिजली, वस्त्र आदि शामिल हैं) उत्पादन धाकड़ों में और इन वस्तुओं को बनाने में लगे हुए अधिकांश एकक शामिल हैं । सूचकांक में प्रस्तुत होने वाले क्षेत्रों के बारे में केवल तकनीकी विकास के महानिदेशालय में पंजीकृत एककों के उत्पादन धाकड़े शामिल हैं और इस में लग् उद्योग एकक शामिल नहीं हैं क्योंकि लग् एककों के बारे में उत्पादन धाकड़े प्रति मास के आधार पर उपलब्ध नहीं हैं । चूंकि सूचकांक में मध्यवर्ती पदार्थों का उत्पादन शामिल है जो बड़े उद्योगों तथा लग् उद्योगों में साल बनाने में इस्तेमाल होता है और सांख्यिकीय